public fears and apprehensions about these methods.

8. Intensive approach through large-scale mass vasectomy camps is being tried out.

9. More intensive and improved training of various categories of personnel working in the Family Planning Programme is being organized.

10. Efforts are being concentrated on those gouples who approved of family planning methods, but have not adopted them.

विभिन्न जनजातियों द्वारा बोली जाने वाली भाषाओं को शिक्षा का माध्यम बनाने के लिए किये गये प्रबन्ध

2869. **श्री धन शाह प्रधान** : क्या **शिक्षा और समाज कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि भारत की विभिन्न जनजातियों द्वारा बोली जाने वाली बोलियों (उनकी मातृ भाषा) को शिक्षा का माध्यम बनाने के लिये क्या प्रबन्ध किये गये हैं ;

शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय तथा संस्कृत विभाग में उपमंत्री (श्री डी० पी० यादव) : राज्य सरकारों द्वारा निम्नलिखित जनजातीय भाषाओं के माध्यम के लिये, बहुधा प्राथमिक स्तर पर ही सुविधाएं प्रदान कर दी गयी हैं :—मिकिर. गारो, खासी, लुशायी, बोडो, मनीपुरी, कारेन, निकोबारेस सीन, त्रिपुरी, मिजो, सन्थाली, आओ, अंगारी, लोथा, सेमा कोणयक तथा गेंशी ।

उपर्युक्त स्तरों पर इन उपभाषाओं के बोलने वालों के लिये इन्हें शिक्षा माध्यम के रूप में अपनाने के विचार से इन जन-जातीय उप बोलियों के विकास के हेतु आओ, अंगारी, लोथा, सेरा, कोणयक, चोकरी, चांग, स्वंगतम, फोम, खिमचंगेर, कूकी, रेंगना, खेनुगम, खआ, रोन्या, (त्वंग) मोंन्या (बोरदिला), दफ्ला, अगातानी, गालोंग, आदि ईदू, दिगारू, मिजू, सिफो, वान्यू, मारिया, हाल्बी, कोरकू, मोलि, कुदख, गोंदी, संथाली, खारिया, कुरुख, मेउई, थाडोकुकी, शिना, बाल्टि, मल्टो, त्रिपुरी, दोस्खान, लद्दाखी, मुन्दारी, मुखि, लौंद, और ढांग में पाठ्य-पुस्तकों का निर्माण कार्य केन्द्रीय तथा राज्य सरकारों द्वारा अपने हाथ में ले लिया गया है ।

इनमें से मोंपा, त्वंग, मोपा बोरदिला, दफला, उपातानि, गोलांग, आदि. ईदू, दिगारू, मिजो, सिफों, वाचू, मारिया, हाल्वि, कोरकू, मोलि, कुदुख, गोंदी, सन्थाली, खरिया, और कुरुख में प्राथमिक अध्ययन सामग्री पहले से ही तयार कर ली गई है ।

हुजूर तहसील में हरिजनों, आदिवासियों और खेतीहर मजदूरों की बेदखली

2870. **श्री धन शाह प्रधान** : क्या **कृषि मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या इस आशय के समाचार प्राप्त हुये हैं कि रीवा जिले की हुजूर तहसील